माफिया हावी | जिले में रेत, कोयला और कबाड़ माफियाओं ने अपनी समानांतर सरकार कायम कर ली है

रेत, कोयला और कबाड़ माफियाओं का टापू बना शहडोल

प्रदीप शर्मा

नवभारत, शहडोल । क्या शहडोल जिला मध्य प्रदेश के नक्शे से कटकर माफियाओं का एक अलग 'टापू' बन चुका है? जहाँ न संविधान का खौफ है, न खाकी का खौफ इस एक्सक्लूसिव पड़ताल में जो सच सामने आया है, वह शासन-प्रशासन के दावों की धज्जियां उड़ाने के लिए काफी है। जिले में रेत, कोयला और कबाड़ माफियाओं ने अपनी समानांतर सरकार कायम कर ली है, जिसकी गवाही यहाँ की सड़कों पर बहता खून और सरकारी अफसरों की चीखें दे रही हैं।

वर्दी पर हमला, तंत्र को चुनौती जब रक्षक ही नहीं सुरक्षित

शहडोल जिले में कानून व्यवस्था इस कदर ध्वस्त हो चुका है कि अब अपराधियों के निशाने पर आम आदमी नहीं, बल्कि सरकारी नुमाइंदे हैं। ब्यौहारी तहसीलदार सनी द्विवेदी पर जानलेवा हमला, एस.आई. महेंद्र बागरी की निर्मम हत्या, और देवलोन में रेंजर पर हुआ प्राणघातक हमला—ये महज घटनाएं नहीं, बल्कि माफियाओं द्वारा सरकार को दी गई खुली चुनौती हैं। जब सशस्त्र पुलिस बल (स्स्न) जैसी ताकतवर इकाई पर अपराधी हमला करने से नहीं चूक रहे, तो क्या जिला प्रशासन को माफिया खुलेआम चुनौती दे रहें'।

सफेदपोशों का 'मौन' और विपक्ष का 'गोल-मोल' जवाब

नवभारत ने जब इस अराजकता पर PCC अध्यक्ष जीतू पटवारी से सीधी चर्चा की, तो विपक्ष की गंभीरता की कलई खुल गई। जिले में गांजा तस्करों की रहस्यमयी मौत और माफिया राज पर सवाल पूछने पर पटवारी ने 'गोल-गोल' जवाब देकर पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कमान जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी की ओर मोड़ दी। एक तरफ प्रदेश की कानून व्यवस्था लचर है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश स्तर के नेता जवाबदेही से भाग रहे हैं। क्या विपक्ष भी ऐसे गंभीर सवालों से बचता रहेगा।

सनसनीखेज खुलासा ऊपर तक पहुंचता पैसा!

कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी ने नवभारत के साथ चर्चा में जो आरोप लगाए, उसने पूरे तंत्र को ही कटगहरे मे खड़ा कर दिया है। उनके मुताबिक जिले में रेत का कोई ठेका नहीं, फिर भी रोजाना 500 ट्रक रेत किसके संरक्षण में निकाली जा रही है उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के पत्रकारों को माफियाओं से 'महीने का लिफाफा' मिलता है, जिसके कारण जनता की आवाज और विपक्ष की खबरें दबा दी जाती हैं।

सत्ता का संरक्षण

अवस्थी ने यहाँ तक आरोप लगाया कि अवैध कारोबार का काला धन सत्ता के गलियारों तक पहुंचता है ' अगर इन आरोपों में रत्ती भर भी सच्चाई है, तो फिर न्याय की उम्मीद किससे की जाए।

अपराध का 'ग्राफ' नहीं, बिगड़ती कानून व्यवस्था

जिले में बीते कुछ समय की घटनाएं माफियाओं के खूनी पदचिन्ह हैं।

बटुरा ग्राम हत्या: जेसीबी मशीन से कुचलकर युवक की हत्या।

रेत माफिया का तांडव: मिनी ट्रक चढ़ाकर एक और मासूम को मौत के घाट उतारा। खदानों में कब्रगाह: केशवाही और अन्य बंद खदानों में अवैध उत्खनन करते मजदूरों की मौतें, जिन्हें प्रशासन ने रफा-दफा कर दिया। अधिकारी लहूलुहान: देवलोन और ब्यौहारी में प्रशासनिक अधिकारियों पर लगातार हमले।

प्रशासनिक नपुंसकता या सुनियोजित संरक्षण?

शहडोल की इस बदहाली पर सवाल तीखा है, क्या प्रशासन का सूचना तंत्र इतना फेल हो चुका है कि उन्हें 500 ट्रकों का शोर सुनाई नहीं देता? या फिर 'साहब' के कानों तक इस अवैध कारोबार की खबर नहीं जाती जब अवैध कोयला खदानों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होती, तो साफ है कि प्रशासन 'सुस्त' नहीं, बल्कि 'मस्त' है। आशय यह कि शहडोल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ अपराधी बेखौफ हैं और अधिकारी भयभीत। यदि सरकार ने इन 'नरभक्षी' माफियाओं और उनके राजनीतिक आकाओं पर तत्काल बुलडोजर नहीं चलाया, तो यह जिला पूरी तरह 'जंगलराज' की भेंट चढ़ जाएगा।

भीषण गर्मी में बिजली की आवाजाही से आमजन त्रस्त

▸ विद्युत मंडल पर लापरवाही के गंभीर आरोप

नवभारत, धनपुरी। प्रचंड गर्मी के इस दौर में जहां आमजन को राहत की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहीं धनपुरी नगर में विद्युत व्यवस्था की बदहाली ने लोगों का जीवन दुश्वार कर दिया है। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, लेकिन इसके बावजूद विद्युत मंडल की लचर कार्यप्रणाली और घटिया उपकरणों के कारण बिजली की आंख-मिचौली थमने का नाम नहीं ले रही। नतीजतन, आम जनता दोहरी मार झेलने को मजबूर है—एक ओर सूरज की तपिश, तो दूसरी ओर बिजली विभाग की उदासीनता।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों में घंटों तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहना अब आम बात हो गई है। दिन हो या रात, कभी भी बिजली गुल हो जाती है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। रात के समय जब लोगों को आराम की जरूरत होती है, तब बिजली कटौती के कारण लोग पसीने में तरबतर होकर रातें काटने को विवश हैं। वहीं दिन में कूलर, पंखे और एसी ठप पड़े रहते हैं, जिससे हालात और भी भयावह हो जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों को झेलनी पड़ रही है। भीषण गर्मी में बिना बिजली के रहना उनके स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जब भी विद्युत मंडल में शिकायत दर्ज कराने के लिए फोन किया जाता है, तो न तो कोई संतोषजनक जवाब मिलता है और न ही समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल की जाती है। विभागीय अधिकारियों की यह लापरवाही जनता के आक्रोश को लगातार बढ़ा रही है। व्यापारिक गतिविधियां भी इस अव्यवस्था की भेंट चढ़ रही हैं। बार-बार बिजली जाने से दुकानदारों का कामकाज ठप हो रहा है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। घरों में पीने के लिए ठंडा पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा, जिससे लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत मंडल द्वारा सस्ते और निम्नस्तरीय उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण बार-बार तकनीकी खराबियां उत्पन्न हो रही हैं। इसके बावजूद विभाग समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई गंभीर प्रयास करता नजर नहीं आ रहा। जनता ने प्रशासन और उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को तत्काल संज्ञान में लेते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। यदि समय रहते स्थिति नहीं सुधारी गई, तो जनता का आक्रोश सड़कों पर उतर सकता है।

आबकारी विभाग की मौन सहमति से हो रही खुली लूट

▸ प्रिंट रेट से अधिक वसूली और गुंडागर्दी चरम पर

नवभारत, गोहपारू । शहडोल जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत गोहपारू मे संचालित शराब दुकान इन दिनों भ्रष्टाचार और दबंगई का अड्डा बन चुकी है यहाँ आबकारी विभाग के नियमों को पैरों तले रौंदते हुए ग्राहकों से सरेआम लूट की जा रही है ताज्जुब की बात यह है कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और लगातार शिकायतों के बावजूद आबकारी विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ हैए जिससे विभाग की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

महंगा ठेका बना लूट का लाइसेंस

दुकान पर तैनात कर्मचारी निर्भीकता के साथ स्वीकार कर रहे हैं कि वे ओवररेटिंग कर रहे हैं। जब जागरूक नागरिकों ने इसका विरोध कियाए तो कर्मचारियों ने बेतुका तर्क देते हुए कहा. ष्इस साल ठेका बहुत महंगा हुआ हैए शासन को ज्यादा पैसा दिया हैए तो हम वसूली भी ज्यादा करेंगे। सवाल यह उठता है कि क्या आबकारी विभाग ने ठेकेदारों को अपनी मर्जी से दाम तय करने की मौखिक छूट दे रखी है।

विरोध करने पर 'जान से मारने की धमकी'

लूट का यह खेल केवल पैसों तक सीमित नहीं है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि यदि कोई ग्राहक रसीद मांगता है या प्रिंट रेट यडत्च्द्ध पर शराब देने का आग्रह करता हैए तो दुकान के कर्मचारी गोलबंद होकर उसे धमकाने लगते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यहाँ कर्मचारियों के वेश में 'दबंग' पाले गए हैंए जो विरोध की आवाज को दबाने के लिए गाली.गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

आबकारी विभाग की रहस्यमयी चुप्पी

हैरानी की बात है कि गोहपारू की जनता चिल्ला.चिल्ला कर इस अवैध वसूली की गवाही दे रही है, वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं, लेकिन आबकारी विभाग का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर जाँच करने की जहमत नहीं उठा रहा है। विभाग की यह चुप्पी क्या इस बात का संकेत है कि ऊपर तक हिस्सा पहुँच रहा है आखिर क्यों दोषियों पर थ्स् दर्ज नहीं की जा रही और क्यों दुकान का लाइसेंस सस्पेंड करने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई।

कानून का मखौल उड़ाते सेल्समैन

नियमों के अनुसार, हर शराब दुकान पर रेट लिस्ट चस्पा होना अनिवार्य है और एमआरपी से एक रुपया भी अधिक लेना संगीन अपराध है। लेकिन गोहपारू में ठेकेदार के रसूख के आगे कानून बौना नजर आ रहा है। यहाँ शासन के राजस्व की नहींए बल्कि ठेकेदार के मुनाफे की चिंता की जा रही है।

जनता की चेतावनी : कार्रवाई नहीं तो आंदोलन

गोहपारू के स्थानीय निवासियों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि 24 घंटे के भीतर आबकारी विभाग ने इस दुकान पर छापा मारकर कार्रवाई नहीं की और धमकी देने वाले कर्मचारियों को नहीं हटायाए तो वे जिला मुख्यालय का घेराव करेंगे और उग्र आंदोलन करेंगे।

व्याख्यानमाला में गूंजे अद्वैत और ज्ञान के स्वर

▸ आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा

नवभारत,शहडोल । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा के अवसर पर संवाद योजना अंतर्गत जिला स्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन शहर के एक निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदि गुरु के जीवन दर्शन, विचारों और अद्वैत सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाना रहा। व्याख्यानमाला में प्रो. दिलीप तिवारी ने आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन, उनके दार्शनिक सिद्धांतों एवं एक संन्यासी से विद्रोही संन्यासी बनने तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का दर्शन केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी संदेश देता है।

वहीं, वेदनारायण शास्त्री ने बताया कि शंकराचार्य ने वेद, वेदांत और उपनिषद के गूढ़ ज्ञान को सरल रूप में जनसामान्य तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बुद्धि के साथ विवेक का होना आवश्यक है, और सत्संग के बिना विवेक का विकास संभव नहीं। जब वेद वाणी और कर्म का समन्वय होता है, तब व्यक्ति सत्य की ओर अग्रसर होता है।संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि संभाग के सभी जिलों में इस प्रकार के आयोजन कर आदि गुरु शंकराचार्य के विचारों को व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा रहा है। जिला समन्वयक विवेक पांडे ने भी व्याख्यानमाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन प्रिया सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर ऋतिकदास मिश्रा, आलोक सोंधिया, प्रदीप सिंह, राहुल द्विवेदी, शिवम तिवारी, सतीश तिवारी, राघवेंद्र शुक्ला, सनथ त्रिपाठी, लोकनाथ नामदेव, आकांक्षा मिश्रा सहित नवांकुर संस्था के सदस्य एवं एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्याख्यानमाला ने युवाओं को भारतीय दर्शन की गहराई से जोड़ते हुए जीवन में विवेक और ज्ञान के महत्व को समझाने का सशक्त संदेश दिया।

हज्जन जुम्मी बी का इंतकाल

नवभारत धनपुरी। जनाब मरहूम समीउल्लाह मास्टर साहब की धर्मपत्नी तथा जिला न्यायाधीश हिदायतुल्लाह की माता हज्जन जुम्मी बी. का आज प्रातः काल धनपुरी वार्ड क्रमांक 1 में इंतकाल हो गया उनके देहा वासन की खबर से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर निर्मित हो गई इस शोकाकुल की घड़ी में समस्त समाज के लोगों ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित की वह परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए दुख की इस घड़ी में सहभागी बने व शोक संत तत्व परिवार के प्रति अपनी इस दुख की घड़ी में पीड़ा सहन करने की प्रार्थना की मरहूमा हज्जन जुम्मी बी. को धनपुरी कब्रिस्तान में सुपुर्दे अदा किया गया जिसमें नगर के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित होकर परिवार के प्रति अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए व शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त किए, जिनमे पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी, वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा, हनुमान खंडेलवाल, पंडित विनोद शर्मा, ऋतुपर्ण दवे, मोहम्मद शमीम खान, बृजवासी अग्रवाल, राकेश सोनी, मोहन नामदेव, प्रदीप शर्मा, अतीक खान (बाबा) जुगल मिश्रा, सदन लाल कपूर, जवाहर जशवानी, नौ शेरमा खान, विनय मिश्रा, अनिल लहंगीर, अजय नामदेव, सहित अनेक गणमान्य व नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त की।